

नारायण मूर्ति की कंपनी ने "दमनपूर्वक" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कंपनी द्वारा, कर्मचारियों की गुणवत्ता, क्षमता और कार्य परिश्रमों के बारे में किए गए दावों के बावजूद, आईटी कर्मचारी संघ ने कहा कि यह कदम उचित नहीं था। यूनियन ने कहा, "इन कर्मचारियों का कई बार साक्षात्कार लिया गया था और कई परीक्षाएं पास करने के बाद उन्हें कंपनी में शामिल किया गया था। इसके अलावा, यह भी आरोप लगाया गया है कि

इन्फोसिस ने उन्हें सैपेरेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। कर्मचारियों को जिस एग्रीमेंट पर साइन करने के लिए बाध्य किया गया उसमें बर्खास्तगी के कारणों का उल्लेख नहीं था, जैसा कि इन्फोसिस दावा कर रही है।

कर्मचारी यूनियन ने इन्फोसिस मैनेजमेंट की दबाव बनाने की रणनीति को भी निंदा की, जिसके तहत कर्मचारियों को कागजात पर हस्ताक्षर करने और बाहर

जाने के लिए डराने के लिए बाउंसरों और सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया था। कर्मचारियों को कंपस छोड़ने के लिए कोई समय नहीं दिया गया और उनके नाम रोल से काटे जाने के बाद उन्हें 6 बजे से पहले कंपस खाली करने को कहा गया।

यूनियन ने कर्नाटक सरकार से इस कथित सख्त शोषण को समाप्त करने और कंपनी के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की है।

अखिलेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहानी अलग है।

विपक्षी दलों को यह बात हजम नहीं हो रही है कि ममता बनर्जी बंगाल और देश के बाकी हिस्सों के लिए चुनावी गठबंधन के लिए अलग मानक रख रही हैं।

चाहे जो भी हो, दिल्ली चुनावों में भाजपा की किस्मत का तेजी से पलटना राष्ट्रीय आम चुनावों के मुकाबले पूरी तरह से अलग था। ममता बनर्जी इन घटनाक्रमों को लेकर निस्संदेह चिंतित हैं, लेकिन राहुल गांधी की पराजय से उन्होंने राहत की सांस ली है।

वास्तव में यह सत्य है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की पूरी तरह से हार ने भाजपा पर से उभरते राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन का दबाव हटा दिया। चुनाव परिणामों ने विपक्ष को विभाजित कर दिया है और इससे ममता बनर्जी के विपक्षी राजनीति में विघ्न डालने की भूमिका का महत्व भी लगभग खत्म हो गया है।

वह अपने नेतृत्व में विपक्षी एकता नहीं ला सकती, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर उनके नेतृत्व की कोई पूछ नहीं है, वह केवल एक क्षेत्रीय पार्टी की नेता हैं।

इस स्थिति में, भाजपा उन्हें लाइफ लाइन देना बंद कर देगी।

बंगाल में यह माना जाता है कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस एक-दूसरे के सहयोगी हैं। यही कारण है कि केंद्रीय एजेंसियाँ तृणमूल कांग्रेस के कई घोटालों और उसके कुछ प्रमुख नेताओं के खिलाफ पूरी तरह से कार्रवाई नहीं कर रही हैं।

अब ममता बनर्जी के लिए एक नई समस्या सामने आ रही है। तृणमूल कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा राज्य पुलिस प्रशासन की मदद के बाद भी प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म व हत्या के सबूतों से छेड़छाड़ के खिलाफ चल रहा जनोदोलन शांत नहीं हो रहा है।

जोधपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रयोग करते हुए उन्हें कुलपति पद से तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया है।



MODERN SCHOOL KOTA



ADMISSIONS OPEN

FOR SESSION 2025-26

FOR CLASSES NURSERY TO 12TH

8003990291 | 8003990297 | 8905551821 | 8905551822 | 8003990278
(TALWANDI) (NAYA NOHRA) (THE STEPS)

STAFF REQUIRED

ACADEMICS - ALL SUBJECTS (PRT / TGT / PGT) - MUSIC, DANCE, ART AND CRAFT
NON ACADEMICS - FRONT OFFICE / BACK OFFICE | SPORTS - PHYSICAL EDUCATION (B.P.Ed. / M.P.Ed.)

Registration forms are available at the respective campus from 9.00 am to 3.00 pm

Head office

SECTOR 'A', TALWANDI, KOTA +91-0744-2421116, 2411116-7

info@modernschool.ac.in | www.modernschool.ac.in

kolhinar



मुफ्त विदेश यात्रा!
लिंक पर क्लिक करो!



यदि आप क्लिक करते हैं,
तो आपके पैसे चोरी हो सकते हैं।



अनजान लिंक्स पर क्लिक न करें!

आरबीआई
कहता है...
स्मार्ट बनो,
कूल रहो



अधिक जानकारी के लिए, <https://rbikehtahai.rbi.org.in/ul> पर विजिट करें
फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें



जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

“ मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई-बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है। ”

— नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



फसल को मिला सुरक्षा का साथ मेरी पॉलिसी मेरे हाथ

फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की उपलब्धियाँ

- 21.95 करोड़ किसान भाई-बहनों को अब तक मिला फसल बीमा का लाभ
- ₹1.72 लाख करोड़ के दावों का भुगतान किसानों को किया
- 72.61 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त



देशव्यापी हेल्पलाइन 14447



मेरी पॉलिसी
मेरे हाथ
महा अभियान
10 फरवरी से 15 मार्च, 2025

आपके गाँव में होने वाले शिविर में इन विषयों पर जानकारी प्राप्त करें:

- बीमा पॉलिसी, सरकारी नीतियाँ, भूमि अभिलेख एवं दावे और शिकायत निवारण
- किसानों के प्रशिक्षण हेतु फसल बीमा पाठशाला

हॉटलाइन पर हमसे जुड़ें



प्रधानमंत्री
फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Chola MS, ICICI Lombard, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI general, Universal Sompo General Insurance

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र

क्रॉप इंश्योरेंस ऐप <https://play.google.com>

पोस्ट ऑफिस

बैंक शाखा

Facebook, Instagram, X, YouTube, LinkedIn @PMFBI

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें